

03²/₂₀

पानवली पेश हुई, वाली प्रिच्योगण
 तथा उनके अधिवक्ता से लिखी गी
 मरिवा विनिवत आलाये उलाडे मरि के
 अशाह मी उपासित रही हेने हे
 वली का वल पत्र मरुत हागी मरुत
 पेशी हे खरीत वीरु नारा हे
 पानवली मरुत अशा हेका मरुत
 हेका हे।



[Faint handwritten notes and signatures on the right margin, including a date '15/07/20']

